उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में उत्पादन शुरू करने वाली कंपनियों ने दिया करीब 20,000 को रोजगार

- *उत्तर प्रदेश के टेक्सटाइल क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में मिली 20 हजार नौकरियां*

लखनऊ,19 फरवरी, 2025: उत्तर प्रदेश का टेक्सटाइल क्षेत्र आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के साथ प्रदेश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हाल के आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 123 कंपनियों ने 2,492 करोड़ रुपये के निवेश से उत्पादन शुरू किया है और लगभग 19,752 लोगों को रोजगार दिया है।

क्षेत्रवार निवेश और रोजगार

टेक्सटाइल उद्योग का प्रभाव उत्तर प्रदेश के सभी क्षेत्रों में दिखाई देता है। इसमें सबसे आगे पश्चिमांचल (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) है, जहां 58 कंपनियों ने 1,084 करोड़ रुपये का निवेश किया है और यहां करीब 12,677 लोगों को रोजगार मिला है। मध्यांचल क्षेत्र में 24 कंपनियों ने 812.91 करोड़ रुपये का निवेश किया है और 1,912 लोगों के लिए रोजगार दिया है। वहीं पूर्वांचल में, 39 कंपनियों ने 543 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे 4,563 लोगों को रोजगार मिला है। नई इकाइयों की स्थापना से क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिला है। बुंदेलखंड में भी पांच कंपनियों द्वारा 52 करोड़ रुपये का प्रभावशाली निवेश हुआ है, जिससे 600 लोगों को रोजगार मिला है।

आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा

उत्तर प्रदेश का कपड़ा क्षेत्र न केवल निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि रंगाई, छपाई और पैकेजिंग जैसे सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिला है। टेक्सटाइल में निवेश करने वाली कुछ प्रमुख निवेश में कानपुर प्लास्टिपैक लिमिटेड द्वारा कानपुर देहात की यूनिट में 300 करोड़ रुपये और 100 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है, जिससे लगभग 200 लोगों को रोजगार मिला है। जीईएसएल स्पिनर्स प्राइवेट लिमिटेड ने रामपुर जिले में 227 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे 600 लोगों को रोजगार मिला है, और एम/एस इंटरवीव पॉलीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड ने अमेठी में 150 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे 500 लोगों को रोजगार मिला है। के.डी. प्रिंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने ट्रीटमेंट प्लांट्स के लिए वॉलर्स बनाने हेतु मेरठ में 100 करोड़ रुपये का निवेश किया और लगभग 100 लोगों को रोजगार प्रदान किया। कीमेन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने पॉलिएस्टर फिल्म बनाने के लिए कानपुर देहात जिले में 70 करोड़ रुपये का निवेश किया और लगभग 200 लोगों को रोजगार दिया। सी आर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड हापुड़ में 64 करोड़ रुपये के निवेश से रेडीमेड बेड लिनेन और किचन कवर बनाने में लगे हैं, जिससे लगभग 600 लोगों को रोजगार मिला है। महावीर स्पिनफैब प्राइवेट लिमिटेड ने कानपुर देहात जिले में गारमेंट प्रोसेसिंग के लिए 60 करोड़ रुपये का निवेश किया और लगभग 150 लोगों को रोजगार दिया। टेक्सफैब स्पिनिंग मिल्स एलएलपी ने गाजियाबाद में एक स्पिनिंग यूनिट के लिए 50 करोड़ रुपये का निवेश किया और लगभग 500 लोगों को रोजगार दिया।

सब्सिडी व प्रोत्साहन

उत्तर प्रदेश सरकार ने सब्सिडी, कर प्रोत्साहन और टेक्सटाइल पार्कों के निर्माण के माध्यम से टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए निवेश अनुकूल माहौल को बढ़ावा दिया है, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों निवेशक

आकर्षित हुए हैं। यूपी टेक्सटाइल और गारमेंटिंग नीति 2022 औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रोत्साहन प्रदान करती है। प्रमुख लाभों में 25% भूमि लागत सब्सिडी (गौतमबुद्ध नगर में 15%), 75%-100% स्टाम्प ड्यूटी छूट और प्लांट और मशीनरी लागत का 25% कवर करने वाली पूंजी सब्सिडी शामिल है, साथ ही पूर्वांचल और बुंदेलखंड में अतिरिक्त 10% शामिल है। बुनियादी ढांचे और ऊर्जा सब्सिडी 100% तक बिजली शुल्क छूट और बिजली शुल्क सब्सिडी के साथ निवेश को और अधिक प्रोत्साहित करती है। यह नीति श्रमिक सब्सिडी और माल ढुलाई प्रतिपूर्ति के माध्यम से रोजगार को बढ़ावा देती है, निजी कपड़ा पार्कों के लिए 50% तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है और विभिन्न पहलों के माध्यम से उत्पादन, डिजाइन, विपणन और निर्यात में रेशम उद्योग और युवा रोजगार का समर्थन करती है। यह व्यापक ढांचा उत्तर प्रदेश में कपड़ा क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है।